जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 23 सितम्बर, 2020

जामिया फैकल्टी द्वारा नैनो सीमेंट के आविष्कार को भारत सरकार का पेटेंट मिला

भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर, श्री इबादुर रहमान द्वारा "हाई स्ट्रेंगथ सीमेंटिटियस नैनोकोम्पोसिट कम्पोजिशन एंड मैथड मेकिंग द सेम" नामक एक आविष्कार को पेटेंट प्रदान किया ।

इस आविष्कार का अहम मक़सद नैनो संशोधित सीमेंट आधारित सामग्रियों का उत्पादन करने के लिए नैनो प्रौद्योगिकी और निर्माण प्रौद्योगिकी को एक साथ लाना है, जिससे मकैनिकल पर्फामेन्स को बढ़ाया जा सके, वज़न को कम किया जा सके और सामग्री संसाधनों का सबसे प्रभावशाली इस्तेमाल हो सके।

उच्च शक्ति वाली सीमेंटिटियस कम्पोजिशन बनाने के लिए, नैनो एडिटिव्स वाली कई संरचनाओं का उपयोग गया। सामान्य आकार के सीमेंट मैट्रिक्स के संदर्भ में, सीमेंट मैट्रिक्स में नैनो सीमेंट, सिलिका फ्यूम, नैनो सिलिका फ्यूम, फ्लाई ऐश और नैनो फ्लाई ऐश जैसे योगात्मक घटकों के प्रभाव का अध्ययन किया गया। नैनो कणों को जोड़ने के साथ, सीमेंटिटियस मैट्रिक्स के गुणों में एक महत्वपूर्ण सुधार देखा गया।

संशोधित नैनो कंपोज़िट का यह आविष्कार, न्यूक्लियर पावर प्लांट, एयरपोर्ट रनवे और ब्रिज आदि जैसे मज़बूत निर्माण और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण संरचनाओं में उपयोगी साबित होगा। हाई स्ट्रेंगथ सीमेंटिटियस नैनोकोम्पोसिट कम्पोजिशन, "स्मार्ट सिटीज़" जैसी भारत सरकार की महत्वकांक्षी परियोजनाओं के लिए भी कारगर सिद्ध होगा क्योंकि वहां विशाल बहु मंज़िला इमारतों का निर्माण होना है।

जामिया के डॉ इबादुर रहमान के अलावा इसके दो अन्य पेटन्टी में, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो मोहम्मद आरिफ और डिपार्टमेंट आफ अप्लाइड फ़िजिक्स, ज़ेड एच कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालजी, अलीगगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो अमीर आज़म शामिल हैं।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक